अपराध

उदयप्रकाश

समकालीन कथा साहित्य के शीर्षस्थ कहानीकार है श्री उदयप्रकाश। आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई भाव-प्रधान कहानी है 'अपराध' दो भाईयों के आपसी संबंध की कहानी बताती है। लेखक के जीवन में घटित समस्या और उससे उत्पन्न पश्चाताप का कहानी रूप में प्रस्तुत करने का सफल प्रयास हुआ है।

सारांश:

समकालीन कथा साहित्य के शीर्षस्थ हस्ताक्षर श्री उदयप्रकाश की आत्मकथात्मक कहानी है 'अ पराध' । यह दो भाईयों की आपसी संबंध की कहानी है।

अपाहिज बड़े भाई को छोटे भाई के प्रति जो प्यार है, उसे समझने में वह असमर्थ रहा। बड़े भाई छोटे से छः बरस बड़ा था। गाँव के सारे लड़के बड़े भाई के दोस्त थे। सब खेलते वक्त छोटे होने के कारण वह अकेला हो जाता। लेकिन कई खेलों में भाई अपनी पाली में उसे शामिल करते है।

एक दिन खड्ब्बल के खेल के अवसर पर छोटे भाई अकेला हो गया। सब खेल में डूब गए थे। खेल में डूब रहने के कारण बडे भाई, छोटे भाई को भूल चुके थे। खेल के अंत में वह जीत लिया। खुशी के उस अवसर पर भी वह छोटे भाई को नहीं देखा। बडे भाई के प्रति छोटे के भीतर ज़बरदस्त प्रतिकार पैदा हो रहा था।

अचानक छोटे भाई का खड्ब्बल एक चट्टान से टकराकर उलछा और उसके ही माथे पर आकर लगा। माथा फूट गया और खून बहने लगा। अपने भाई को उपेक्षा की दंड देकर उसे कठघरे में खडा करने केलिए उसने पिताजी से झूठ बोला कि बड़े भाई ने उसे खड्ब्बल से मारा है। अपाहिज भाई को पिता ने दंड भी दिया। भाई ने बार-बार कहा कि मैं ने इसे नहीं मारा, फिरभी उन्हें सज़ा मिल रही थी।

अपने अपाहिज भाई की लाल आँखों में छाई करूणा और कातरता कभी-कभी घूरने लगती है। वर्षों बाद भी यह घटना छोटे भाई को सताती रहा। वह क्षमा माँगना चाहता था, लेकिन समय तो ज़्यादा बीत गया था। माता-पिता अब नहीं है, भाई तो उस घटना भूल चुके थे। इसलिए क्षमा माँगने में वह असमर्थ रहा।

कहानी पढ़ें और उत्तर लिखें।

(1)लेखक के भाई लेखक से कितने साल बड़े थे?

छह साल

(2) आश्चर्य की बात क्या है?

गाँव के सभी लड़के लेखक से छह वर्ष बड़े थे।

(3) सब खेलते तो कौन उनके पीछे लग जाता? क्यों?

गाँव के सभी लड़के लेखक से छह वर्ष बड़े थे। लेखक सबसे छोटा होकर अकेला था। इसलिए सब खेलते वक्त लेखक उनके पीछे लग जाता।

(4) लेखक का बड़ा भाई कैसा था?

लेखक के भाई बचपन से अपाहिज है। उनके एक पैर को पोलियो हो गया था। फिरभी वे देवताओं की तरह सुंदर थे। अच्छे तैराक थे और पंजों की लड़ाई में कोई उन्हें हरा नहीं सकता था। अपने घूँसे से नारियल और ईंटें तोड़ देते थे।

(5) लेखक कैसा था?

लेखक दुबला-पतला था, कमज़ोर और चिड़चिड़ा भी था।

(6) लेखक क्यों ईर्ष्या होती थी?

अपने भाई के बहुत सारे दोस्त थे। इसलिए उन्हें अपने भाई से ईर्ष्या होती थी।

(7) भाई केलिए लेखक एक उत्तरदायित्व की तरह था। क्यों?

भाई केलिए लेखक एक उत्तरदायित्व की तरह था क्योंकि लेखक सबसे छोटा था।

(8) लेखक से भाई का व्यवहार कैसे थे?

वे लेखक से बहुत प्यार करते थे और लेखक से उनका व्यवहार एक संरक्षक की ज़िम्मेदारी जैसा था।

(9) सब खेलते वक्त भाई क्यों लेखक की मदद करते? कैसे?

सब खेलते वक्त लेखक छोटे होने के कारण अकेला पड़ जाता है। इसलिए भाई उसके मदद करते। जोड़ी और पालीवाले खेलों में वे लेखक को अपनी पाली में शामिल कर लेते थे।

(10) दूसरा लड़के लेखक को अपनी पाली में शामिल नहीं करते। क्यों?

लेखक को अपनी पाली में शामिल करके हार का खतरा उठाना नहीं चाहते थे।

(11) "अकसर भाई मेरी वजह से ही हारते। फिरभी वे मुझसे कभी कुछ नहीं कहते थे।" क्यों?

बडे भाई और छोटे भाई में आयु में छह वर्ष का अंतर था। गाँव के सभी लडके छोटे भाई से छह वर्ष बडे थे। लेकिन बडे भाई में अपने छोटे के प्रति प्यार है। छोटे के प्रति बडे का मनोभाव एक संरक्षक की ज़िम्मेदारी जैसा था। छोटे होने के कारण गाँव के लडके उसे खेल के अवसर पर अकेला छोड देता है। जोडी और पालीवाले खेलों में वह अपने छोटे को भी शामिल कराता था। ऐसे खेलों में वह हार भी जाता था। फिर भी वह अपमे छोटे भाई से कुछ नहीं कहता था। किसी से भी शिकायत नहीं करता था। अपने छोटे भाई के संरक्षण वह अपना उत्तरदायित्व समझता था।

(12) यह एक महत्वपूर्ण घटना है। क्यों?

ऐसी घटना जीवन भर हमारा साथ नहीं छोड़ती और स्मृति में, बीच-बीच में किसी अंगारे की तरह सुलगने लगती है। ऐसी घटना को हम कभी नहीं भूल जाते।

(13) उस शाम को शरीर में क्यों उल्लास भरा था?

बारिश के बाद के शाम की धूप के कारण शरीर में उल्लास भरा था।

(14) खड़ब्बल कैसे खेलते थे?

खड़ब्बल एक ऐसा खेल था, जिसमें कोई पाली नहीं होती, कोई किसीका जोड़ीदार नहीं होता। हर लड़के के पास सकड़ी की छोटी-छोटी डंडियाँ थीं। पूरी ताकत से खड़ब्बल को ज़मीन पर, आगे की ओर गति देते हुए, सीधे मारते थे। खड़ब्बल गुलाटियाँ खाते हुए बहुत दूर तक जाता था। हर लड़के अपनी क्षमता से लड़ता है।

(15) भाई क्यों लेखक को भूल चुके थे?

भाई खेल में डूब गए थे। वे कई बार पिछड़ भी रहे थे। वे गुस्से और तनाव में ज़्यादा ताकत से खड़ब्बल फेंक रहे थे। इसलिए वे अपने भाई को भूल चुके थे।

(16) बडे भाई के प्रति छोटे के मन में प्रतिकार की भावना क्यों उत्पन्न हुई?

गाँव के सभी लडके खडब्बल खेल रहे थे। लकडी की छोटी-छोटी डंडियाँ सब के पास थे। ताकत और संवेग से खडब्बल को ज़मीन पर, आगे की ओर, सीधे मारा जा रहा था। भाई दुबला-पतला होने के कारण खेल में भाग न ले सका। बडे भाई भी खेल में डूब गए थे। खेल की तनाव भरे घंटों में वह छोटे को भूल गया। उसे अकेले छोड गया था। खेल में बडे भाई जीत गया। उसी अवसर पर भी वह छोटे की ओर न देखा। उसको पूर्ण रूप से भूल चुके थे। इसलिए छोटे भाई के मन में बडे भाई के प्रति ज़रा प्रतिकार की भावना उत्पन्न हुई।

DO NOT COPY

(17) "मैं अकेला छूट गया था।" कौन? क्यों?
लेखक। वह सबसे छोटा था और कमज़ोर भी। इसलिए वह अकेला छूट गया था।

(18) मैं अपने खड़ब्बल को क्यों अकेला खड़ा हुआ पत्थर पर पटक रहा था?
खड़ब्बल खेलते वक्त लेखक छोटा होने के कारण अकेला था। इसलिए वह अपना खड़ब्बल पत्थर पर पटक रहा था।

(19) लेखक अकेले खड़ब्बल पत्थर पर फेंकते वक्त अचानक क्या हुआ?
खड़ब्बल अचानक चट्टान से टकराकर उछला और सीधे लेखक के माथे पर आकर लगा। माथा फूट गया और खून बहने लगा।

(20) भाई घबराकर क्या किए?
भाई घबराकर अपने हथेली से माथा को दबा रहे थे।

(21) लेखक ने भाई को अपनी उपेक्षा का दंड़ कैसे दिया?
वह जल्दी दौड़कर घर पहुँचा। माताजी के पूछने पर उसने रोते हुए बताया कि भाई ने उसे खड़ब्बल से मारा है।

(22) भाई क्यों गिर गए?
भाई को झटकाकर लेखक अपने घर की ओर दौड़ा। भाई ड़र गया और पीछे दौड़ा। लेकिन पोलियो के कारण उसे लेखक के साथ दौड़ न सका। लँगड़ाकर दौड़ते वक्त वे गिर गए।

(23) लेखक ने अपने भाई के चेहरे में क्या देखा?
लेखक के आँखें लाल थी। उसमें करुणा और कातरता थी। ऐसा लगता है वे लेखक से से सच बोलने की याचना कर रहे हों।

(24) उतना पुराना होकर भी क्यों लेखक की स्मृति में वे आँखें जाग उठती है?
लेखक ने झूठ बताकर भाई को दंड़ दिलाया। बाद में अपने भाई के आँखें में छिपी करुणा एवं कातरता पहनकर लेखक में मन में सच बोलने की इच्छा हुआ। लेकिन भय के कारण वह सच नहीं बोला। अब अपराध बोध के कारण उनकी स्मृति में वे आँखें जाग उठती है।

(25) छोटे भाई ने अपने अपराध केलिए क्षमा माँगनी चाही। लेकिन असफल रहा-क्यों ?

बडे भाई से की गई अपराध पर छोटा भाई सदा चिंतित रहा। वर्षों बीतने पर भी अपने भाई के कातर आँखें उसे कभी-कभी घूरने लगती है। वह अपने अपराध केलिए क्षमा माँगना चाहा। लेकिन अब उसके माता-पिता जीवित नहीं थे। बडे भाई तो उस घटना पूरी तरह भूल चुके थे। इसलिए बडे भाई से अपना अपराध केलिए क्षमा माँगने की इच्छा असफल होकर उसके मन को सदा केलिए सताता रहा।

DO NOT COPY

अनुवर्ती कार्य:

(1) **'वे मुझसे प्यार करते थे। मेरे प्रति उनका रुख एक संरक्षक की ज़िम्मेदारी जैसा था'- 'अपराध' कहानी के आधार पर बडे भाई की चरित्रगत विशेषताएँ को विस्तार दें।**

वर्तमान हिंदी साहित्य के शीर्षस्थ कथाकार उदय प्रकाश की आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई कहानी है 'अपराध'। यह दो भाईयों के आपसी संबंध की मर्मस्पर्शी कहानी है।

लेखक का बडा भाई उससे छह साल बडे थे। बचपन से ही अपाहिज होने पर भी, वह देवताओं की तरह सुंदर थे। अच्छे तैराक थे और अपने घूँसे से नारियल और ईंटे तोड देते थे। गाँव के प्रायः सशी लडके उसके दोस्त थे।

अपने छोटे भाई को वे बहुत अधिक प्यार करते थे। उसके प्रति उनका मनोभाव एक संरक्षक की ज़िम्मेदारी जैसा था। गाँव के लडके खेलते समय दुर्बल होने के कारण छोटे भाई अकेला छोड जाता है तो भाई उसके मदद करते थे। जोडी या पालीवाले खेलों में वह अपने छोटे भाई को भी अपने पाली में शामिल कराते थे। ऐसे खेलों में कभी-कभी वे हार जाते है। फिर भी उसको किसी से शिकायत नहीं है। उन्होंने छोटे भाई को कभी नहीं मारा। बडे भाई अपने ज़िम्मेदारी को ठीक तरह निभाते थे।

खडब्बल माथे पर लगाकर खून बहाने पर छोटे भाई ने पिताजी से झूठ बोला कि बडे भाई ने उसे खडब्बल से मारा। अपंग भाई को पिता से दंड भी मिला। इसी अवसर पर भी उसके मुँह से अपने छोटे के विरुद्ध एक शब्द भी न निकला। अपने भाई केलिए स्वयं अपराध सहने केलिए वह तैयार है। अतः लेखक का बडा भाई अपाहिज होने पर भी दयालू, दोस्ती, सहानुभूतिवाला और अपने छोटे का प्यार करनेवाला है।

(2) **'तो इस अपराध केलिए मुझे क्षमा कौन कर सकता है'- पश्चाताप से विवश छोटा भाई सालों बाद क्षमा माँगते हुए अपने बडे भाई को पत्र लिखता है। वह पत्र लिखें।**

स्थान,
तारीख

प्यारे भाई,

आप कैसे हैं ? भाभी कैसे है? घर में सब ठीक है न?

वह पुरानी घटना आपको याद है, न? अब भी आपकी कातर आँखें, आपका चेहरा, सब मेरे मन को सदा घूरने लगती है।

अब मैं सच बोलना चाहता हुँ। उसी दिन सब लडके खड़ब्बल खेलते समय छोटे होने के कारण मुझे अकेला छोडा था। खेल में जीत कर, उस खुशी में आप मुझे पूरी भूल चुके थे।

मैं तो अपने खड़ब्बल को एक पत्थर पर पटक रहा था। मैं वहाँ अकेला था। अचानक मेरे खड़ब्बल चट्टान से टकराकर सीधे मेरे माथे पर लगा। माथा फूट गया और खून बहाने लगा। मैं ने चीखा, तो आप आकर अपने हाथ से माथे को दबा रहे थे। ईर्ष्या, अकेले छोडने की आत्महीनता आदि से उत्पन्न प्रतिकार भाव से मैं खुद आपको छुडाकर घर की ओर भागा। रोते हुए माँ से बताया कि आपने खड़ब्बल से मारा है। आप को दंड भी मिला।

आपकी आँखों की लालिमा, उनमें पडी करुणा और कातरता अब भी मुझे सताते है। वास्तव में उस समय सच बोलने में मुझे डर था।

लेकिन अब भी मेरी स्मृति में, जब आप की आँखें ज़रा उठती है, मेरी पूरी चेतना ग्लानी, बेचैनी और अपराध-बोध से भर उठती है।

मुझे क्षमा दीजिए। कृपया मुझे क्षमा दीजिए, भाई।

घर में सबको मेरा प्यार। आपका उत्तर पत्र की प्रतीक्षा में।

प्यार से,
आपका छोटा भाई
(हस्ताक्षर)
नाम

पता

परीक्षा केंद्रित कुछ और प्रश्न। इनके उत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करें:-

(1) "भाई बार-बार कहते रहे कि मैंने इसे नहीं मारा, लेकिन पिताजी उन्हें पीटे जा रहे हैं। भाई रो रहे थे।" उस दिन वह अपने डायरी में क्या लिखा होगा, कल्पना करके लिखें।

(2) "मैंने इसे नहीं मारा", ऐसे कहने पर भी पिताजी ने उन्हें पीटे जा रहे थे। इससे वह बहुत दुःखी हुआ। उस समय माँ उसकी सांत्वना देते है। बड़े भाई और माँ के बीच का संभावित वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(3) अपने अपाहिज बेटे को पीटने पर दुःखी होकर माँ और पिता के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

माँ : आप क्यों इतनी दुःखी है?

पिता : मैंने क्या किया, वह हमारा बेटा....

.....

(4) मेरी स्मृति में अब भी वे आँखें जाग उठती हैं, मेरी पूरी चेतना ग्लानी, बेचैनी और अपराध-बोध से भर उठती है। पश्चाताप से विवश होकर वह अपनी डायरी लिखते है। डायरी तैयार करें।

(5) "मैंने भाई का चेहरा देखा। वे मेरी ओर देख रहे थे। उनकी आँखें लाल थी और उनमें करुणा और कातरता थी।" मैंने सच बोलने का निश्चय किया। छोटे भाई और पिताजी के बीच का वही वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

छोटा भाई : पिताजी

पिताजी : बेटा, मुझसे कुछ कहना हैं, न।

(6) कई साल बीत गए। दोनों भाईयों की शादी हुई और दोनों अपने-अपने घरों में रहते हैं। छोटे भाई अपनी पत्नी से उस गलती के बारे में कहते हैं, जिससे अपने अपाहिज भाई को दंड मिला। छोटे भाई और पत्नी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(7) "मैं ने इसे नहीं मारा", ऐसे कहने पर भी पिताजी ने उन्हें पीटे जा रहे थे। सच बोलने पर भी उसे सज़ा मिला। उस अपाहिज के मन में गहरा चोट उत्पन्न किया। बड़े होने पर वह अपने अनुभवों का, आत्मकथा के रूप में जिक्र करती हैं। वह आत्मकथांश लिखें।

(8) "मैं अपने अपराध केलिए क्षमा माँगना चाहता हुँ।.....जिससे मैं यह बताऊँ कि उस दिन ठीक-ठीक क्या हुआ था।" वह अपराध एक भूल की तरह उसके मन में ही रहा। सालों बाद वह अपनी आत्मकथा लिखती है। वह आत्मकथांश लिखें।

(9) "भाई, मैं ने एक बड़ा अपराध किए,.....। " सालों बाद अपने छोटे भाई के पत्र मिला, जिससे उसके मन में पुरानी यादें दिलाती हैं। वह अपनी पत्नी से पुरानी घटनाएँ बताती है। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(10) "भाई, मैं ने एक बड़ा अपराध किए,.....। " सालों बाद अपने छोटे भाई के पत्र मिला। अपने छोटे भाई के पत्र केलिए बड़े भाई ने क्या जवाब दिया होगा? कल्पना करके लिखें।

(11) अपराध शीर्षक की सार्थकता पर अपना विचार प्रकट करें।

(12) अपराध कहानी के प्रमुख पात्र है-बड़े भाई और छोटे भाई। इनमें से किस पात्र आपको अच्छा लगा? क्यों?

||||||||||||||||||||||